No. of Printed Pages : 3

BSKC–133

स्नातक उपाधि कार्यक्रम (सामान्य)

(बी.ए.जी.) (संस्कृत)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2025

बी.एस.के.सी–133 : संस्कृत नाटक

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *इस प्रश्न-पत्र में तीन खण्ड हैं। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।*

खण्ड—क

(व्याख्या आधारित प्रश्न)

1. अधोलिखित पद्यांशों की ससन्दर्भ व्याख्या कीजिए : 2×15=30

(क) श्रुत्वा ते वनगमनं वधूसहायं
सौभ्रत्रव्यवसितलक्ष्मणानुयात्रम्।
उत्थाय क्षितितलरेणुरूषिताङ्गः
कान्तारद्विरद इवोपयाति जीर्णः॥

Downloaded from www.IGNOUBABA.com

अथवा

त्वया राज्यैषिण्या नृपतिरसुभिर्नैव गणितः
सुतं ज्येष्ठं च त्वं व्रज वनमिति प्रेषितवती।
न शीर्णं यद् दृष्ट्वा जनकतनयां वल्कलवती–
महो धात्रा सृष्टं भवति। हृदयं वज्रकठिनम्॥

(ख) यास्यत्यद्य शकुन्तलेति हृदयं संस्पृष्टमुत्कण्ठया
कण्ठः स्तम्भितवाष्पवृत्तिकलुषश्चिन्ताजडं दर्शनम्।
वैक्लव्यं मम तावदीदृशमिदं स्नेहादरण्यौकसः
पीड्यन्ते गृहिणः कथं नु तनयाविश्लेषदुःखैर्नवैः॥

अथवा

सङ्कल्पितं प्रथममेव मया तवार्थे
भर्तारमात्मसदृशं सुकृतैर्गता त्वम्।
चूतेन संश्रितवती नवमालिकेय
मस्यामहं त्वयि च सम्प्रति वीतचिन्तः॥

खण्ड—ख

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

2. संस्कृत नाटकों की विशेषताओं का उल्लेख कीजिए। 5
3. महाकवि भास के लोककथा पर आधारित नाटकों का संक्षिप्त परिचय प्रस्तुत कीजिए। 5

Downloaded from www.IGNOUBABA.com

4. 'अनुचरति शशाङ्क राहुदोषेऽपि तारा'—'प्रतिमानाटकम्' की इस सूक्ति को स्पष्ट कीजिए। 5

5. नान्दी एवं भरतवाक्य में क्या अन्तर है ? स्पष्ट कीजिए। 5

6. 'अभिज्ञानशाकुन्तलम्' नाटक के आधार पर दुष्यन्त का चरित्र-चित्रण लिखिए। 5

खण्ड—ग

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

7. संस्कृत नाटकों की उत्पत्ति-विषयक प्रचलित मतों (सिद्धान्तों) की विवेचना कीजिए। 10

8. 'उपमा कालिदासस्य' इस कथन को सविस्तार स्पष्ट कीजिए। 10

9. राजशेखर के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डालिए। 10

10. निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** पर टिप्पणियाँ लिखिए : $3\times5=15$

(क) स्वगत (आत्मगत)

(ख) जनान्तिक

(ग) प्रवेशक

(घ) पूर्वरङ्ग

× × × × ×

Downloaded from www.IGNOUBABA.com